संपादकीय

खतरे का बिगुल

अमेरिका ने जमीन से जमीन पर मार करने वाली नई क्रूज मिसाइल टोमाहॉक का परीक्षण करके दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। सोमवार को पेंटागन ने कहा कि रविवार को कैलिफॉर्निया के सैन निकोलस द्वीप पर 500 किलोमीटर मारक क्षमता वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया। इस पर रूस और चीन ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। उन्होंने मंगलवार को चेतावनी दी कि अमेरिका के मिसाइल परीक्षण ने सैन्य तनाव बढ़ा दिया है और इससे हथियारों की होड़ शुरू हो सकती है। रूस के उप विदेश मंत्री सर्जेई रयाबकोव ने अपनी सरकारी समाचार एजेंसी तास से कहा कि अमेरिका ने स्पष्ट तौर पर सैन्य तनाव बढ़ाने की दिशा में कदम उठाया है। हम उकसावे पर प्रतिक्रिया नहीं देंगे और खुद को हथियारों की होड़ में शामिल नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि इस परीक्षण से जाहिर होता है कि अमेरिका समझौते से आधिकारिक रूप से बाहर होने से काफी पहले से इस तरह की मिसाइलों पर काम कर रहा था।

वहीं, पेइचिंग में चीनी विदेश मंत्रालय प्रवक्ता कंग शुंग ने कहा कि इस परीक्षण का अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर गंभीर असर पड़ेगा। अमेरिका को शीतयुद्ध के समय की अपनी मानसिकता से बाहर निकलना चाहिए। ध्यान रहे, अमेरिका ने जिस मिसाइल का परीक्षण किया है वह 1987 के आईएनएफ समझौते के तहत प्रतिबंधित थी। बीते 2 अगस्त को अमेरिका ने रूस के साथ अपनी इस संधि से खुद को एकतरफा तौर पर अलग करने की घोषणा की। उसकी इस घोषणा के अगले ही दिन रूस ने भी संधि से हटने का ऐलान कर दिया था। संधि से अलग होने के पीछे अमेरिका का तर्क था कि रूस लगातार इस संधि का उल्लंघन कर रहा है। उसने कहा कि जब तक रूस मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का निर्माण करता रहेगा, तब तक अमेरिका इस संधि का पालन नहीं करेगा और वह जमीन से मार करने वाली मिसाइलों का परीक्षण और निर्माण करेगा। बड़ी मुश्किल से दुनिया शीतयुद्ध के दौर से बाहर निकल पाई है लेकिन अमेरिका का यह रुख इतिहास को एक बार फिर वापस उसी दौर में धकेल सकता है।

एक तरफ अमेरिका दुनिया को परमाणु मुक्त और सुरक्षित बनाने का दावा करता रहता है और दूसरे देशों को हथियारों से परहेज करने की नसीहत देता है तो दूसरी ओर वह खुद ही इस रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। ऐसे में नॉर्थ कोरिया जैसे मुल्कों का मनोबल बढ़ेगा और वे मनमाने ढंग से घातक हथियार इकट्ठा करेंगे। अन्य देश भी इस दबाव में एटमी और मिसाइली रास्ता पकड़ने का प्रयास करेंगे। हथियारों पर खर्च बढ़ने से सामाजिक-आर्थिक विकास पर हो रहे व्यय में कटौती होगी जिसका नुकसान अंततः हर देश की आम जनता को होगा। दुर्भाग्य यह है कि आज संयुक्त राष्ट्र जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी प्रभावहीन हो गई हैं। हथियारों की होड़ पर रोक लगने की उम्मीद उनसे करना ही बेकार है। ऐसे में विश्व बिरादरी को अपनी आवाज उठाने के लिए कोई वैकल्पिक मंच खोजना होगा।

बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप : सिंधु, प्रणीत क्वार्टर फाइनल में, बाकी भारतीय बाहर

बासेल (स्विट्जरलैंड)। ओलम्पिक पदक विजेता पी.वी. सिंधु और बी. साई प्रणीत ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर यहां जारी बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप-2019 के क्वार्टर फानल में प्रवेश कर लिया जबकि सायना नेहवाल, एचएस प्रणॉय और किदाम्बी श्रीकांत हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए। दुनिया की पांचवें नम्बर की खिलाड़ी सिंधु ने गुरुवार को महिला एकल के तीसरे दौर में अमेरिका की बेइवन झांग को 21-14, 21-6 से हराया। वर्ष 2017 और 2018 में रजत तथा 2013 व 2014 में कांस्य

पदक जीत चुकीं सिंधु ने 34 मिनट में यह मैच समाप्त किया।

क्वार्टर फाइनल में सिंधु के सामने दूसरी सीड चीनी ताइपे की ताई जू यिंग की चुनौती होगी, जिनके खिलाफ भारतीय खिलाड़ी का 4-10 का रिकॉर्ड है।

वर्ष 2017 में कांस्य और 2015 में रजत पदक जीतने वाली सायना को डेनमार्क की मिया ब्लीकफेल्ड ने 15-21, 27-25, 21-12 से दी शिकस्त दी। सायना एक घंटे 12 मिनट तक चले कड़े और संघर्षपूर्ण मुकाबले में पहला गेम जीतने के बाद अगले दो गेम और मैच हारकर बाहर हो गई।

पुरुष एकल में प्रणीत ने इंडोनेशिया के एंटोनी सिनीसुका गिटिंग को हराकर चैम्पियनशिप क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। 16वें सीड प्रणीत ने छठी सीड गिटिंग को 21-19, 21-13 से हरा दिया। प्रणीत ने 42 मिनट में यह मुकाबला जीता।

इस जीत के साथ ही वर्ल्ड नंबर-19 प्रणीत ने वर्ल्ड नंबर-8 गिटिंग के खिलाफ 3-2 का रिकॉर्ड कर लिया है।

क्वार्टर फाइनल में प्रणीत के सामने चौथी सीड इंडोनेशिया के जोनाटन क्रिस्टिली से पार पाने की चुनौती होगी, जिनके खिलाफ प्रणीत का 1-2 का रिकॉर्ड है।

इस बीच, एच.एस. प्रणॉय और किदाम्बी श्रीकांत अपने-अपने मुकाबले हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

प्रणॉय को अपने तीसरे दौर के मुकाबले में दुनिया के नम्बर-1 खिलाड़ी जापान के केंटो मोमोटा ने हराया। टॉप सीड मोमोटा ने एक कड़े मुकाबले में प्रणॉय को 21-19, 21-12 से पराजित किया। नंबर वन मोमोटा ने 56 मिनट में यह मुकाबला जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

क्वार्टर फाइनल में मोमोटा का सामना 14वीं सीड मलेशिया के ली जी जिया से होगा, जिनके खिलाफ मोमोटा का 2-0 का रिकॉर्ड है।

वहीं, श्रीकांत थाईलैंड के कांटाफोन वांचारोएन की चुनौती से पार नहीं पार सके। टूर्नामेंट के सातवें सीड श्रीकांत को वांचारोएन ने 40 मिनट में 21-14 21-13 से शिकस्त दी।

नेटफ्लिक्स की अगुवाई में ओटीटी प्लेटफार्म्स भारत में केबल टीवी के लिए बने खतरा

मुंबई (आरएनएस)। नेटफ्लिक्स और अन्य ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफार्म्स धीरे-धीरे लेकिन लगातार केबल टीवी कारोबार को खत्म कर रहे हैं। केपीएमजी की एक नई रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2019 में केबल और सेटेलाइट (सीएंडएस) के करीब 1.2-1.5 करोड़ सक्रिय ग्राहकों की संख्या कमी आई है। वित्त वर्ष 2019 में ग्राहकी राजस्व की वृद्धि दर अच्छी खासी 8.1 फीसदी रही, जो कि 463 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। केपीएमजी ने अपनी इंडियाज डिजिटल फ्यूचर : मास और निचेज रिपोर्ट में कहा, साल 2018 के अंत क सीएंडएस ग्राहकों की संख्या बढ़कर 19.7 करोड़ हो गई थी, जिसमें सबसे ज्यादा ग्राहक डिजिटल केबल के थे। लेकिन पिछली तिमाही में इसमें 1.2-1.5 करोड़ की गिरावट आई है।

इस साल के आखिर तक 74 रुपये प्रति डॉलर तक लुढ़क सकती है देसी करेंसी

मुंबई (आरएनएस)। देश की अर्थव्यवस्था के हालात को लेकर बनी अनिश्चिता के माहौल के बीच घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली के दबाव से रुपये में लगातार कमजोरी देखी जा रही है। डॉलर के मुकाबले रुपया शुक्रवार को लुढ़क कर 72 रुपये प्रति डॉलर से नीचे आ गया जोकि इस साल का सबसे निचला स्तर है। बाजार विश्लेषकों की माने तो मौजूदा घरेलू और वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए रुपये में और कमजोरी बढ़ने की संभावना है और देसी करेंसी 74 रुपये प्रति डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर को तोड़ सकता है।

इस साल की शुरूआत में घरेलू इक्विटी और डेब्ट बाजार में डॉलर की आमद बढ़ने के कारण रुपये में जबरदस्त मजबूती रही, लेकिन अब विपरीत स्थिति पैदा हो गई है। इसके अलावा, कच्चे तेल के दाम में नरमी रहने से भी रुपये को सपोर्ट मिला क्योंकि तेल का दाम बढ़ने से आयात के लिए ज्यादा डॉलर की जरूरत होती है।

कार्वी कॉमट्रेड लिमिटेड के सीईओ रमेश वरखेडकर ने बताया कि कुछ समय पहले दुनिया में भारत को सबसे तेजी से विकास करने वाली अर्थव्यस्था के रूप में देखा जाता था और देश में स्थिर सरकार बनने की संभावना पहले से ही जताई जा रही थी जिससे विदेशी निवेशक भारत की ओर आकर्षित हुए।

रहाणे ने शतक चूकने पर कहा, मैं स्वार्थी नहीं हूं

एंटिगा। भारतीय टेस्ट उपकप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा है कि शतक से चूकने पर वह चिंतित नहीं है क्योंकि वह टीम के लिए खेलते हैं ना की खुद के लिए। रहाणे ने यहां सर विवियन रिचर्डस स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन गुरुवार को 81 रन की पारी खेलकर भारते को संकट से बाहर निकाला। रहाणे उस समय बल्लेबाजी के लिए क्रीज पर आए थे जब भारत आठवें ओवर में 25 रन तक अपने तीन विकेट गंवाकर संघर्ष करता नजर आ रहा था। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, रहाणे ने पहले तो लोकेश राहुल के साथ चौथे विकेट के लिए 68

और फिर हनुमा विहारी के साथ पांचवें विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी कर भारत को छह विकेट पर 203 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। रहाणे ने पहले दिन की खेल समाप्ति के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, पारी की शुरूआत में विकेट थोड़ा मुश्किल था।

दूसरी तिमाही में रैंसमवेयर की संख्या दोगुनी हुई : कास्परस्की

नईदिल्ली (आरएनएस)। साल 2019 की दूसरी तिमाही में शोधकर्ताओं ने 16,017 नए रैंसमवेयर का पता लगाया है, जिसमें आठ नए मालवेयर परिवार के हैं, जो कि साल 2018 की दूसरी तिमाही में पाए गए नए नमूनों की संख्या (7,620) से दोगुने हैं। रूसी साइबर सिक्योरिटी फर्म कास्परस्की ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

कास्परस्की की आईटी थ्रेट इवोल्यूशन क्यू2 2019 रिपोर्ट के मुताबिक, समीक्षाधीन तिमाही में 2,30,000 से ज्यादा हमले किए गए। कास्परस्की के सुरक्षा शोधार्थी फेडर सिनित्सन ने एक बयान में कहा, इस तिमाही में हमने नए रैंसमवेयर की संख्या में बढ़ोतरी का पता लगाया है।

ये रैंसमवेयर निजी और कार्पोरेट दोनों तरह के कंप्यूटरों पर हमला करते हैं और उनकी फाइलों को लॉक कर देते हैं। उन फाइलों को दुबारा खोलने के लिए फिरौती की मांग करते हैं और मिलने के बाद ही वे अपनी महत्वपूर्ण फाइलों को वापस प्राप्त कर पाते हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि 2019 की दूसरी तिमाही में कुल 2,32,292 यूजर्स पर इस प्रकार का हमला किया गया, जोकि एक साल पहले की तुलना में 46 फीसदी अधिक है। 2018 की दूसरी तिमाही में यह संख्या 1,58,921 यूजर्स की थी। जिन देशों में सबसे ज्यादा हमला हुआ, उसमें बांग्लादेश (9 फीसदी), उजबेकिस्तान (6 फीसदी) और मोजांबिक (4 फीसदी) शामिल है।

एंटिगा टेस्ट : रहाणे के अर्धशतक ने भारत को संभाला

एंटिगा। अजिंक्य रहाणे (81) के करियर के 18वें अर्धशतक की मदद से भारत ने यहां सर विवियन रिचर्डस स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन गुरुवार को अपनी पहली पारी में छह विकेट पर 203 रन बना लिए। स्टंप्स के समय ऋषभ पंत 41 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 20 और रवींद्र जडेजा तीन रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों के बीच अब तक सातवें विकेट के लिए 14 रनों की साझेदारी हो चुकी है।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने लंच तक 68 रन के अंदर अपने तीन विकेट गंवा दिए थे। लंच के बाद चायकाल तक उसका स्कोर चार विकेट पर 134 रन था।

चायकाल के बाद अजिंक्य रहाणे और हनुमा विहारी की उपयोगी पारी ने भारत को 200 रनों तक पहुंचने में मदद की।

रहाणे ने 163 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 81 रन की पारी खेली। उन्होंने इस दौरान अपने करियर का 18वां अर्धशतक पूरा किया। रहाणे शुरुआत में 30 गेंदों पर केवल एक रन बनाकर खेल रहे थे लेकिन लगातार विकेट गिरने के बाद उन्होंने भारत को कुछ स्थिरता प्रदान की।

रहाणे ने पहले तो लोकेश राहुल के साथ चौथे विकेट के लिए 68 और फिर हनुमा विहारी के साथ पांचवें विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी कर भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

रहाणे के अलावा राहुल ने 97 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से 44, विहारी ने 56 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से 32 रन बनाए। मयंक अग्रवाल ने पांच, चेतेश्वर पुजारा ने दो और कप्तान विराट कोहली ने दो रनों का योगदान दिया।

वेस्टइंडीज की ओर से केमार रोच ने तीन, शेनन गेब्रियल ने दो और रोस्टन चेज ने अब तक एक विकेट लिया है।

आज का राशिफल

मेषः- बीमार लोगों की सेहत में सुधार होगा। विरोधी कमजोर होंगे और आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में प्रभाव बढ़ेगा। रुके हुए कार्यों को पूरा करने के लिए दिन अच्छा है।

वृषभः- दिन उलझन भरा होगा, रक्त चाप बढ़ सकता है। कार्यों में बाधाएं आएंगी। मन अशांत और अस्थिर रहेगा। कार्यक्षेत्र या घर में कोई बदलाव कर सकते हैं। मानसिक शांति के लिए योग और ध्यान करें।

मिथुनः- परिस्थितियां आपके अनुकूल है इसलिए अधूरे कार्यों को पूरा करने का प्रयास कीजिए। कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा। वरिष्ठ और विशिष्ट लोगों से जान-पहचान होगी।

कर्कः- आरंभिक असफलता से निराश नहीं होना चाहिए। जीवन में उतार-चढ़ाव व बाधाओं के बावजूद धन लाभ होगा। आज का कर्म आपके कल का भविष्य बनाएगा अतः- सोच-समझकर निर्णय लें।

सिंहः- स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा। मन में सकारात्मक विचार आएंगे जिनसे कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी। शत्रु पक्ष निर्बल होगा। मित्रों-सेहीजनों के सहयोग से आपके काम बनेंगे।

कन्याः- यात्रा में असुविधा हो सकती है। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। अपनी चीजों का ध्यान रखें, खोने का भय है। प्रिय वस्तु की हानि हो सकती है। परिश्रम से लाभ मिलेगा।

तुलाः- स्वास्थ्य नरम रहेगा। मित्रों के सहयोग से लाभ की स्थिति बनेगी। छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है जो लाभप्रद रहेगी। बुजुर्गों व साधु-संतों का आशीर्वाद फलेगा।

वृश्चिकः- दिन के आरंभ से ही आप एक्टिव नजर आएंगे। शुभ समाचार मिलेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। काम का दबाव रहने से व्यस्तता बढ़ेगी। नए अवसर व नए लोगों से जान पहचान होगी। अवसर का लाभ उठाने के लिए सतर्क रहें।

धनुः- आज का दिन सोच विचार में गुजरेगा। भविष्य की चिंता सताएगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी, मन में उलझन की स्थिति रहेगी। आज सफलता के लिए अधिक संघर्ष करना होगा।

मकरः- स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही से बचना होगा। मन में नकारात्मक और निराशाजनक विचार आएंगे। वाद-विवाद से बचें। अधिक काम और लाभ कम की स्थिति रहेगी।

कुंभः- कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी। सोचे हुए कार्य पूर्ण होंगे। किसी बड़े अधिकारी का सहयोग आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। अचानक लाभ से राहत महसूस करेंगे। धन वृद्धि के लिए किया गया प्रयास आज सफल होगा।

मीनः- दिन मिलाजुला रहेगा। संघर्ष के बाद सफलता से मन आनंदित होगा। विरोधियों से सतर्क रहें, नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। आय और व्यय की स्थिति संतुलित रहेगी।

जन्माष्टमी में पंजीरी और पंटामृत का भोग, मौके पर बनाएं मेवा पाग

यूं तो जन्माष्टमी पर पंजीरी और पंटामृत का भोग भगवान को लगाया जाता है। लेकिन उत्तर भारत में कई ऐसे मिष्ठान भी हैं जो जन्माष्टमी के मौके पर बनाए जाते हैं। इनमें से एक है मेवा पाग। जन्माष्टमी के मौके पर अकसर लोग इसे अपने घरों में बनाते हैं। आइए जानते हैं इसे बनाने की विधि-

सामग्रीः

घी ,चीनी ,पानी ,मखाने ,गरी ,काजू ,बादाम ,छुआरे ,खरबूजे के बीज ,चिरौंजी ,इलाइची ,गोंद

बनाने की विधिः

सबसे पहले सभी मेवाओं मखाने, गरी, छुआरे, काजू, बादाम को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद इन्हें देसी घी में हल्की आंच में भून लें। इसके बाद इसी घी में आप चिरौंजी और खरबूजे के बीज भी भून लें। इसके बाद गोंद को भी अच्छे से भूनकर अलग रख लें।

अब एक कढ़ाई में चीनी से एक तार की चाशनी तैयार करें, चाशनी तैयार हो जाए तो उसमें सभी मेवाओं को अच्छी तरह मिला लें। बाद में इलाइची का पावडर मिलाकर इस मिश्रण को घी लगी थाली में निकाल लें। इस प्रकार आपका स्वादिष्ट मेवा पाग तैयार हो जाता है।

शब्द सामर्थ्य- 64

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

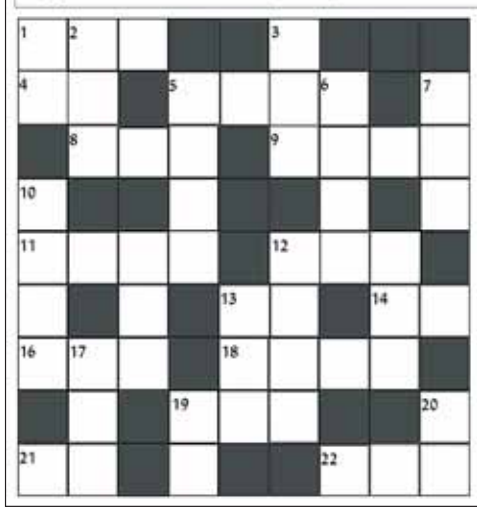

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 63 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

सू-दोकू- 64

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.63का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5